Website : challengerdainik.com

पालीताना से प्रकाशित दैनिक

चेलेंजर

संपादक : प्रतापभाई के. गोहिल

Email : challengerdainik@gmail.com

Year - 2 • Issue - 284 • Date : 21-10-2018 • Sunday • Page 4 • Rs.2.00 • PALITANA • Office No. : 02848-251933 • Mo. 9428121933 • Reg No. BVR-397/2015-2017

अमृतसर ट्रेन हादसा: रेल राज्य मंत्री बोले-हमारी गलती नहीं, किस बात की जांच?

अमृतसर,२० अक्टूबर। रेल राज्य मंत्री मनोज सिन्हा ने अमृतसर ट्रेन हादसे की किसी भी तरह की जांच से इनकार किया है. घटना में गेटमैन का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि जिस जगह पर हादसा हुआ है, वह रेल फाटक से ३०० मीटर दूर है. पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस घटना में रेलवे की कोई जिम्मेदारी नहीं है. उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था राज्य सरकार का जिम्मा है और लोगों को रेलवे ट्रैक पर जमा नहीं होना चाहिए था, जबकि हादसे के वक्त लोग ट्रैक पर थे.

रफ्तार से ही चलती हैं ट्रेनें- सिन्हा

मनोज सिन्हा ने कहा कि इस मामले में किसी को राजनीति नहीं करनी चाहिए, यह काफी दुखद घटना है. उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि रेलवे को इस कार्यक्रम की कोई सूचना नहीं है. जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि क्या ड्राइवर ट्रेन की रफ्तार धीमी कर सकता था तो उन्होंने कहा कि पहले ही ड्राइवरों को बता दिया जाता है कि उन्हें ट्रेन की रफ्तार कहां कम करनी है. मनोज सिन्हा ने कहा कि घटना के वक्त सांझ हो चुकी थी और वहां कि पटरी भी घुमावदार थी, ड्राइवर को आगे भी नहीं दिखाई पड़ रहा होगा. ट्रेन की रफ्तार के बारे में उन्होंने कहा कि ट्रेनें तो स्पीड से ही चलती हैं.

किस बात की इनक्वायरी?- सिन्हा

इस मामले में पत्रकारों ने जब गेटमैन के खिलाफ कार्रवाई की बात पूछी तो उन्होंने कहा कि जिस जगह पर रावण का पुतला जलाया जा रहा था वहां से रेल फाटक ३०० मीटर दूर है. इस मामले में जब रेल मंत्रालय की तरफ से जांच की बात पूछी गई तो मंत्री ने साफ-साफ कहा, "किस बात की इनक्वायरी हम कराएंज" जब उनसे पूछा गया कि क्या ड्राइवर किसी भी तरह ट्रेन नहीं रोक सकता था. इस पर मंत्री ने कहा कि पटरी से ७० मीटर दूर कार्यक्रम हो रहा था, इसके अलावा वहां हलका मोड़ भी था, तो ड्राइवर को कैसे दिखाई देता?

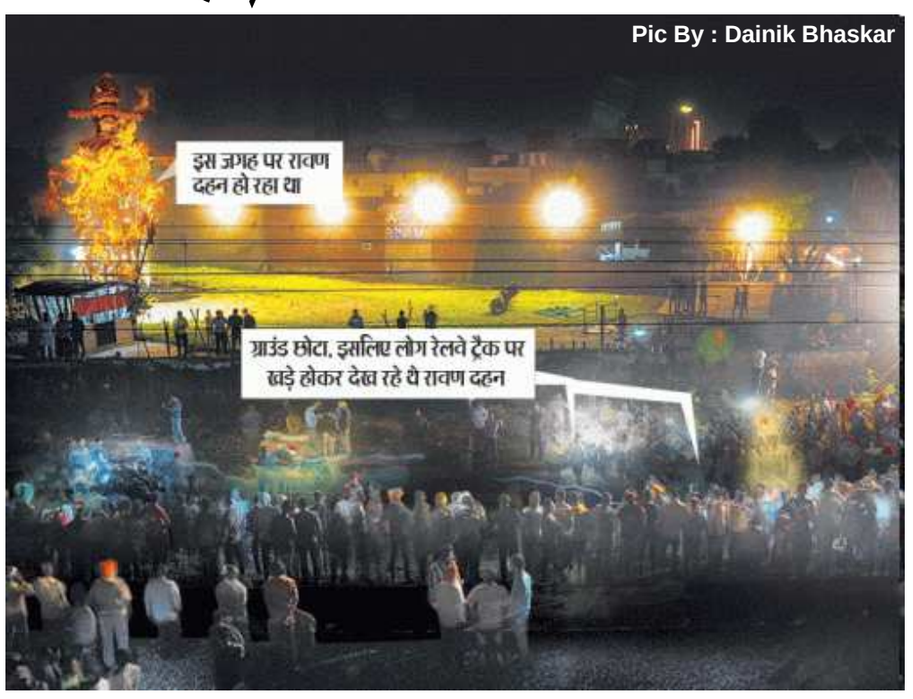

हमसे एफ-१५ फाइटर खरीदो तो प्रतिबंध नहीं, रूस से हथियार सौदे पर ट्रम्प का भारत को सुझाव

भारत ने हाल ही में रूस से एस-४०० मिसाइल डिफेंस सिस्टम खरीदा था. अब ट्रम्प प्रशासन चाहता है कि भारत अमेरिका से एफ-१५ लड़ाकू विमान खरीदे. भारत के मुताबिक, एफ-१५ ब्रह्मोस के लायक नहीं

वॉशिंगटन/नई दिल्ली. भारत ने इसी महीने रूस के साथ एस-४०० मिसाइल डिफेंस सिस्टम खरीदने पर समझौता किया। इसके बाद से ही देश पर अमेरिका की तरफ से प्रतिबंधों की तलवार लटक रही है। अब इस परिस्थिति से निकालने के लिए खुद वॉशिंगटन ने नई दिल्ली को अनाधिकारिक सुझाव दिया है। अमेरिका ने कहा है कि अगर भारत उससे एफ-१५ लड़ाकू विमान खरीदने पर हामी भर दे तो वह कानूनी प्रतिबंधों से बच सकता है।

भारत नहीं खरीदना चाहता एफ-१५ लड़ाकू विमान

इंडियन एक्सप्रेस अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, इस महीने की शुरुआत में ही अमेरिका ने भारत को प्रतिबंध से बचने के लिए एफ-१५ खरीदने की सलाह दी थी।

भारत ने अभी तक एफ-१५ विमान खरीदने के लिए अमेरिका से हामी नहीं भरी है। दरअसल, एफ-१५ पहले ही तीन दशकों से पाकिस्तानी एयरफोर्स में सेवाएं दे रहा है। ऐसे में भारत एफ-१५ खरीदने पर दिलचस्पी नहीं दिखा रहा।

दूसरी तरफ अमेरिका का कहना है कि भारत को जिन विमानों का प्रस्ताव दिया गया है वे पाकिस्तान के ब्लॉक-५०/५२ से एडवांस ब्लॉक-७० मॉडल हैं। इसके अलावा भारत का तर्क है कि एफ-१५ लड़ाकू विमान स्वदेशी ब्रह्मोस मिसाइल के अनुकूल नहीं है।

ट्रम्प चाहते हैं- रूस से खरीदा तो हमसे भी खरीदो

अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भारत को दोनों तरफ संतुलन बनाने के लिए कह रहे हैं। वे चाहते हैं कि अगर भारत को प्रतिबंधों में छूट चाहिए तो उसे अमेरिका के साथ रूस से बेहतर समझौता करना होगा।

अमेरिका ने भारत को दिया एफ-१५ और एफ-१८ फाइटर का प्रस्ताव

अमेरिका ने भारत को एफ-१५ और एफ-१८ दोनों विमानों का प्रस्ताव दिया है, लेकिन एफ-१५ की तकनीक भारत को देना ट्रम्प प्रशासन के लिए आसान होगा। कुछ समय पहले ही भारत ने ११४ लड़ाकू विमान खरीदने के लिए रिक्वेस्ट फॉर इन्फॉर्मेशन (आरएफआई) जारी की थी। ऐसे में अमेरिका एफ-१५ विमान खरीदने के लिए भारत पर दबाव बनाना चाहता है।

सिंगापुर में मैटिस से मिलीं सीतारमण

रक्षामंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को ही सिंगापुर में दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों के रक्षा मंत्रियों की मीटिंग में हिस्सा लिया। यहां उन्होंने अपने अमेरिकी समकक्ष जेम्स मैटिस से मुलाकात की। दोनों के बीच एस-४०० डील पर लंबी बातचीत हुई।

क्या है काट्सा कानून?

दरअसल, अमेरिका काट्सा कानून के तहत अपने दुश्मन से हथियार खरीदने वाले देशों पर प्रतिबंध लगा सकता है। इस लिहाज से भारत भी रूस से हथियार खरीदने के बाद प्रतिबंधों के दायरे में आ सकता है। हालांकि, अमेरिका भारत की ओर से रूस को पेमेंट किए जाने तक तक जल्दबाजी में प्रतिबंध नहीं लगना चाहता।

नए मतदाताओं को रिझाने भाजपा का २३० विधानसभा क्षेत्रों में 'युवा टाउन हॉल' २८ को

भोपाल, २० अक्टूबर। नए मतदाताओं को लेकर टेंशन में चल रही भाजपा ने उन्हें रिझाने के लिए नई रणनीति तैयार कर ली है। इसके लिए २९ अक्टूबर को प्रदेश की सभी २३० विधानसभा क्षेत्रों में एक साथ एक समय 'युवा टाउन हॉल' का आयोजन किया जा रहा है। इसमें मुख्यमंत्री के भाषण का सीधा प्रसारण होगा। इस आयोजन में भाजपा का लक्ष्य १० लाख युवाओं को सीधे पार्टी से जोड़ने का है। विधानसभा चुनाव में ६० लाख के लगभग युवा पहली बार वोट डालेंगे। वहीं, २७ साल तक के युवाओं की संख्या १ करोड़ २० लाख के लगभग है।

ये निर्णय शनिवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा की बैठक में लिया गया। बैठक में केन्द्रीय मंत्री एवं प्रदेश चुनव प्रभारी धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि २८ अक्टूबर को प्रदेश की २३० विधानसभाओं में होने वाले युवा टाउन हॉल कार्यक्रम की सफलता से ही आने वाले चुनाव में पार्टी की जीत का रास्ता निकलेगा। बैठक में चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्रसिंह तोमर भी उपस्थित थे।

ये है रणनीति: धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि आने वाले चुनाव में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। टाउन हॉल से जब प्रदेश के १० लाख नौजवान सीधे तौर पर जुड़ेंगे, तो कांग्रेस के राजा महाराजा और उद्योगपति नेताओं का चुनाव अभियान खत्म ही हो जाएगा। नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि टाउन हॉल के लिए कार्यकर्ता परंपरागत कार्यकर्ताओं के अलावा १८ से २२ साल के युवाओं को बुलाएं। उपस्थिति सुनिश्चित करने की कार्ययोजना तैयार करे। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया, पत्र और बूथवार डोर टू डोर संपर्क कर नवमतदाताओं से संपर्क करें। पार्टी कार्यकर्ता २९ अक्टूबर से ४ दिन तक अभियान के माध्यम से केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के हितग्राहियों से संपर्क करेंगे।

भोपाल में मुख्य कार्यक्रम : मुख्य कार्यक्रम भोपाल में होगा। जिसमें मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान युवाओं का मार्गदर्शन करेंगे। टाउनहॉल में युवा डॉक्टर, इंजीनियर, उद्यमी, स्वयंसेवी संस्थाओं में काम करने वाले युवाओं के साथ समाज में रचनात्मक काम करने वाले युवाओं को भी आमंत्रित किया जाएगा।

२९ से राहुल फिर मध्य प्रदेश दौरे पर

महाकाल और ओंकारेश्वर का आर्शीवाद लेकर आमसभा और रोड शो करेंगे

भोपाल, २० अक्टूबर। चुनावी समर में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी चौथी बार मध्य प्रदेश के दौरे पर आ रहे हैं। भोपाल, विंध्य, महाकौशल और ग्वालियर-चंबल के बाद अब राहुल २९ और ३० अक्टूबर को मालवा के दौरे पर रहेंगे। मालवा के १० जिलों की ४८ विधानसभा सीटों में से ४४ पर भाजपा और ४ पर कांग्रेस काबिज.है।

सूत्रों के मुताबिक राहुल का मालवा दौरा उज्जैन में महाकाल के दर्शन से शुरू होगा इसके बाद आमसभा होगी। राहुल का ओंकारेश्वर जाने का कार्यक्रम भी है। देवास, इंदौर, पीथमपुर और झाबुआ में रोड-शो और सभाएं होंगी। राहुल गांधी ब्रह्माणों के अराध्य देव भगवान परशुराम की जन्मस्थली जानापाव भी जा सकते हैं। हर दौरे की शुरुआत मंदिर से: विंध्य, महाकौशल दौरे के शुरुआत राहुल ने चित्रकूट के कामतानाथ मंदिर से की थी। उन्होंने जबलपुर में नर्मदा आरती भी की थी। ग्वालियर-चंबल संभाग दौरे में राहुल गांधी ने मंदिर, मस्जिद और. गुरुदावारे में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी।

ब्रह्माणों पर नजर: राहुल के २९ से शुरू हो रहे दौरे में मालवा की ४८ सीटों पर नजर है। २०१३ विधानसभा चुनाव से पहले ये मालवा कांग्रेस का गढ़ हुआ करता था। इस समय यहां कि ४८ विधानसभा सीटों में से ४४ पर भाजपा और ४ पर कांग्रेस काबिज. है। इन सभी विधानसभा सीटों पर महाकाल और ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग का काफी असर है। ब्रह्माणों को रिझाने के लिए कांग्रेस राहुल गांधी महू के पास स्थित भगवान परशुराम की जन्मस्थली जानापाव भी जा सकते है।

अभी ऐसा है गणित: मालवा के १० जिलों की ४८ विधानसभा सीटों में से ४४ पर भाजपा और ४ पर कांग्रेस काबिज.है। इंदौर जिले में ९ विधानसभा सीटों में से ८ भाजपा के पास हैं। नीमच की ३ विधानसभा सीटों में तीनों पर भाजपा के विधायक हैं। मंदसौर की ४ सीटों में से ३ भाजपा के पास, धार जिले की ७ विधानसभा सीटों में से ५ पर भाजपा का कब्जा है। उज्जैन की सातों ही सीटें भाजपा के खाते में हैं। रतलाम की ५ सीट भाजपा के पास हैं। झाबुआ की भी सभी ३ सीटों पर भाजपा काबिज है। देवास की ५ सीटों में पांचों भाजपा, शाजापुर की ३ सीटों में तीनों भाजपा और आगर जिले की २ सीटों में दोनों भाजपा के पास हैं।

डांग सहित विरोध-प्रदर्शनों में शामिल होंगे

स्टेच्यू यूनिटी के लोकार्पण के समय आदिवासी विरोध

प्रॉजेक्ट के बहाने आदिवासियों की जमीनों को हड़प लेने से और उनके अधिकारों पर अंकुश लगाने से विरोध शुरू

(एसएसएस) अहमदाबाद,२० अक्टूबर। केन्द्र और गुजरात सरकार दुनिया की सबसे ऊंची सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के उद्घाटन की तैयारी चल रही है तब इस क्षेत्र के और आसपास के जिलों में आदिवासी गांवों के हजारों आदिवासी ग्रामीण लोग स्टेच्यू ऑफ यूनिटी की इस परियजोना का विरोध करने की तैयारी में है। हालांकि, आदिवासी संगठनों ने स्पष्ट किया है कि, वह गुजरात के महान सपूत सरदार पटेल के विरोध में नहीं है लेकिन गुजरात सरकार के यह प्रॉजेक्ट के तहत जिस प्रकार से यहां की और आसपास के क्षेत्रों की जमीन को छीना जा रहा है और आदिवासी के हक-अधिकारों पर अंकुश लगाया जा रहा है यह देखते हुए आदिवासियों के जीवन और अस्तित्व के विरूद्ध खतरा बन रहा है और इसी वजह से आदिवासी ग्रामीणों द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के लोकार्पण के अवसर पर विरोध-प्रदर्शन आयोजित किए जायेंगे। करीब २३८९ हजार करोड़ के खर्च से बने १८२ मीटर ऊंची सरदार पटेल की प्रतिमा का प्रधानमंत्री मोदी आगामी ३१ अक्टूबर २०१८ को उद्घाटन करेंगे अब नर्मदा जिला के केवडिया में स्थानीय आदिवासी संगठनों ने विरोध व्यक्त करते हुए कहा है कि, स्टेच्यू ऑफ यूनिटी परियोजना से प्रभावी करीब ७५ हजार आदिवासी प्रतिमा तथा प्रधानमंत्री मोदी का विरोध करेंगे। आदिवासी नेता डॉ. प्रफुल वसावा ने बताया है कि, ३१ अक्टूबर को हम शोक मनायेंगे और ७२ गांव में कोई भी घर में भोजन नहीं बनेगा। यह परियोजना हमारे लिए विनाश है। आदिवासी रिवाज के अनुसार घर में किसी व्यक्ति की मौत हो तो शोक के रूप में घर में खाना नहीं बनाया जाता है। आदिवासियों के अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। गुजरात के महान सपूत सरदार पटेल के विरूद्ध हमारा कोई विरोध नहीं है, हम तो उनका सम्मान करते हैं। हमारा विरोध यह है कि, सरकार के विकास का विचार एक तरफा और आदिवासियों के विरूद्ध है।

पालीताना से प्रकाशित दैनिक
चेलेन्जर
DATE : 21-10-2017, SUNDAY, PAGE - 4

संपादकीय

लगातार तीसरे दिन तेल की कीमतों में कटौती हुई

पेट्रोल और डीजल लगातार तीसरे दिन सस्ता हुआ है। शनिवार को दिल्ली में पेट्रोल ३९ पैसे और डीजल १२ पैसे प्रति लीटर सस्ता हुआ है। राजधानी में पेट्रोल-डीजल की ताजा कीमत ८१.९९ और ७५.३६ रुपये प्रति लीटर है। तीन दिनों में पेट्रोल की कीमत में ८४ पैसे और डीजल की कीमत में ३३ पैसे की कटौती हुई है। मुंबई में पेट्रोल ८७.४६ रुपये प्रति लीटर ३८ पैसे की कटौती और डीजल ७९ १३ पैसे की कमी रुपये लीटर बिक रहा है। कोलकाता में आज आपको एक लीटर पेट्रोल के लिए ८३.८३ रुपये ३८ पैसे कम खर्च करने होगे, जबकि डीजल ७७.२१ रुपये १२ पैसे सस्ता लीटर मिल रहा है। चेन्नै में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में क्रमशः ४१ पैसे और १३ पैसे की कमी के बाद अब ८५.२२ और ७९.६९ रुपये लीटर बिक रहा है। तेल की कीमतों में लगातार तीन दिन कटौती से पहले बुधवार को कीमतों में बदलाव नहीं हुआ था। केंद्र सरकार ने ५ अक्टूबर को पेट्रोल और डीजल की कीमत में २.५० रुपये की कटौती कर लोगों को राहत दी थी, लेकिन इसके बाद अगले १३ दिनों तक दर बढ़ने से में डीजल पर मिली राहत खत्म हो चुकी है।

आपका आज का दिन

मेष : आज का दिन आपके लिए शुभ साबित होगा। आप सभी कार्यों में रूचि ले सकेंगे। आज आपका अपनी पत्नी के साथ अच्छा व्यवहार रहेगा।

वृषभ : आज के दिन आपको काम को लेकर काफी ज्यादा चिंता बनी रहेगी। आज अपने घर के लिए सामान की खरीदी कर सकेंगे।

मिथुन : आज आपको कार्य में धीरे-धीरे राहत और शांति मिलती जाएगी फिर भी आप आज काम करने में जल्दी करेंगे।

कर्क : आज आपको अपने स्वास्थ्य प्रति गंभीर रहना पड़ेगा। भागदौड़-श्रम में वृद्धि होगी। जमीन-मकान वाहन लेन-देन में अनुकूलता रहेगी।

सिंह : नौकरी-धंधा के पुराने संबंध-व्यवहार बरकरार रहेंगे। परिवार के कामकाज से निजी काम से बाहर जाना पड़ेगा।

कन्या : आज के दिन आपको व्यापार-धंधे में काफी नुकसान होगा जिसकी वजह से आज के दिन आप भागीदार के साथ मतभेद होगा

तुला : आज आपको अपने भाई की आर्थिक मदद करनी पड़ेगी। आज आपको अपने दोस्तों के साथ विदेश की यात्रा कर सकते हैं

वृश्चिक : नौकरी-धंधा के काम से, घर-परिवार, पत्नी-संतान के काम से बाहर जाना पड़ेगा, आज के दिन आप वाहन धीरे से चलाये।

धन : मानसिक पछतावा होने के बावजूद भी आप अपने कार्य को अच्छे तरीके से पूरे कर सकते हैं। आज आपको पेट संबंधित बीमारी परेशान करेगी।

मकर : आज के दिन आपको अपने मां-पिता की बीमारी की चिन्ता आपको काफी सतायेगी और आपको किसी कार्य में मन नहीं लगेगा।

कुंभ : आज अपने माता-पिता के साथ घर के मामले को लेकर वाद-विवाद होगा और बाद में मारपीट होने की संभावना बनी हुई है।

मीन : आज के सभी कार्य में अनुकूलता बनी रहेगी। आज के दिन आप सभी महत्व के काम में सफलता प्राप्त करने की संभावना है।

संपूर्ण सूडोकू — पहेली नं. २३६

			4		6			
4		2				9		1
	5	1				6	4	
6		3		9		7		5
			3		2			
9		4		8		3		2
	9	5				2	6	
1		7				8		4
			5		8			

खेलने का तरीका

यहां पर आपको एक वर्गाकार आकुति दी है। इसमें ३ गुना ३ के नौ बॉक्स है, सभी बॉक्स में नौ खाने है।

क्या करना है-

(१) सभी बॉक्स में १ से ९ अंक लिखने है कोई अंक बाकी नहीं रहे।

(२) ऊपर से नीचे और दाए से बाए खानों की सभी लाइनों में १ से ९ अंकों को इस तरह भरना है जिससे एक सीधी लाइन में कोई अंक दूबारा नहीं आए।

(४) शुरूआत उस खाने को भरने से करें जहां अंक लिखने के लिए विकल्प कम हो।

(५) पहेली का हल अगले दिन।

पहेली नं. २३५ का हल

6	4	9	3	1	7	5	8	2
1	2	5	4	9	8	7	6	3
3	8	7	5	6	2	4	1	9
9	1	4	8	3	6	2	7	5
5	7	8	1	2	4	9	3	6
2	6	3	9	7	5	8	4	1
7	3	6	2	4	9	1	5	8
8	9	1	7	5	3	6	2	4
4	5	2	6	8	1	3	9	7

ट्रेन हादसे में अब तक ६१ लोगों की मौत की पुष्टि प्रशासन ने की

रावण दहन के वक्त अमृतसर में ट्रेन हादसा

पंजाब सरकार ने राज्य में एक दिन के राजकीय शोक का ऐलान किया है साथ शनिवार को राज्य के सभी स्कूलों को भी बंद रखने के आदेश जारी

(एसएसएस)

चंडीगढ़, २० अक्टूबर।

पंजाब के अमृतसर में एक बड़े ट्रेन हादसे में अब तक ६१ लोगों की मौत की पुष्टि प्रशासन ने की है। यह हादसा अमृतसर और मनावला के बीच फाटक नंबर २७ के पास हुआ है। यह हादसा जिस वक्त हुआ, उस समय वहां रावण दहन देखने के लिए लोगों की भीड़ जुटी हुई थी। इसी दौरान डीएमयू ट्रेन नंबर ७४९४३ वहां से गुजर रही थी। रावण दहन के वक्त पटाखों की तेज आवाज के कारण ट्रेन का हॉर्न लोगों को नहीं सुनाई पड़ा। इसकी वजह से यह हादसा हो गया। घटना के बाद पंजाब सरकार की ओर से मृतकों के परिजनों के लिए पांच-पांच लाख रुपये मुआवजे का ऐलान किया गया है। पंजाब सरकार ने राज्य में एक दिन के राजकीय शोक का ऐलान किया है। साथ ही शनिवार को राज्य के सभी स्कूलों को भी बंद रखने के आदेश जारी किए है। पिछले कई वर्षों से यहां दशहरे के अवसर पर रावण दहन का आयोजन किया जाता था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, इस साल भी यहां रावण दहन का आयोजन किया गया था। दहन के दौरान पटाखों की आवाज तेज होने की वजह से वहां मौजूद लोग ट्रेन के हॉर्न की आवाज नहीं सुन पाए और यह घटना हो गई। घटना के बाद पुलिस, जीआरपी की टीमें मौके पर पहुंच गई है। इसी के साथ ही घटना स्थल पर स्थानीय लोगों की मदद से बचाव कार्य चलाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने ऑफिशल ट्विटर अकाउंट से ट्वीट किया, अमृतसर में हुए ट्रेन हादसे से बहुत दुखी हूं। यह घटना ह्रदय विदारक है। मेरी गहरी संवेदना मृतकों के परिवारवालों के साथ है और मैं प्रार्थना करता हूं कि जल्द से जल्द घायल पूर्णतया स्वस्त हैं। अधिकारियों से बातचीत कर उन्हें तुरंत मदद के निर्देश दिए है।

किशोर के लिए मां बनी भगवान

अमृतसर हादसा : महिला ने बालकनी से देखा मौत का मंजर

ढेर सारे लोग धोबी घाट की बाउंड्रीवॉल पर खड़े थे, लेकिन जैसे ही पटाखे फूटने लगे लोगों की भीड़ पीछे भागने लगी

(एसएसएस)

अमृतसर, २० अक्टूबर।

घर से बगल से गुजरने वाली ट्रेनें बिट्टू देवी के लिए कोई नई बात नहीं थीं। एक बार तो उन्होंने ट्रेन के सामने खुदखुशी का मामला भी देखा था लेकिन शुक्रवार को दशहरे के दिन ४३ साल की इस महिला ने जो देखा उससे उनकी रूह कांप गई। बिट्टू देवी भाग्यशाली थीं कि उन्होंने अमृतसर रेल हादसे में किसी परिजन या दोस्त को नहीं खोया लेकिन उन्होंने अपनी आंखों के सामने ही हर आयुवर्ग के महिलाओं, पुरुषों को ट्रेन से कुचलते देखा। १७ साल का एक किशोर तो इस हादसे में इसलिए बच गया क्योंकि मां ने उसे घर पर ही रोक लिया था। १७ साल के एक किशोर पवन कुमार ने भी इस भयानक मंजर को देखा। जब हादसा हुआ तो वह अपने घर में सजावटी लड़ियां लगा रहा था। पवन ने बताया कि उसके कई दोस्त रेल ट्रैक पर खड़े होकर त्योहार देख रहे थे लेकिन उसकी मां ने घर में लड़ियां लगाने को कहा था, इसलिए मैं नहीं गया। पवन ने बताया, ऐसा नहीं हुआ होता तो मैं भी वहां होता और टुकड़ो में बंटा होता। एक प्रत्यक्षदर्शी बिट्टू को इस हादसे ने अंदर से दहला दिया है। उन्होंने बताया, मैं दशहरे का त्योहार देखने के लिए अपने घर की बालकनी में बैठी थी। ढेर सारे लोग धोबी घाट की बाउंड्रीवॉल पर खड़े थे, लेकिन जैसे ही पटाखे फूटने लगे लोगों की भीड़ पीछे भागी। बाउंड्रीवॉल पर खड़े कुछ लोग तो गिर भी गए और तभी मैंने लोगों की चीख-पुकार सुनी। वहां तबाही मची थी और मैं दहशत में आ गई। मैंने रेलवे ट्रैक पर लोगों के शरीर और शरीर के हिस्से पड़े देखे। एक प्रत्यक्षदर्शी ने तो यह भी कहा कि हादसे की जगह ने १९४७ में हुए विभाजन की त्रासदी की याद मिली दी।

सीएम ने दिया जांच का आदेश, ४ हफ्ते में रिपोर्ट

(एसएसएस)

अमृतसर,२० अक्टूबर।

अमृतसर के जौड़ा फाटक के पास हुए भीषण रेल हादसे के बाद पंजाब सरकार ने इस घटना की मैजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं। हादसे के बाद शनिवार को पंजाब पहुंचे सीएम ने यहां राजकीय मेडिकल कॉलेज में घायलों से मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए इस पूरी घटना पर सरकार का पक्ष रखा है। सिंह ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए कहा कि है फिलहाल इस मामले पर आरोप-प्रत्यारोप करने से ज्यादा जरूरी मामले की जांच करना और राहत कार्यो को पूरा करना है। हमने पंजाब सरकार की ओर से मामले की मैजिस्ट्रेट जांच कराने का फैसला किया है और जांच अधिकारियों को चार हफ्ते में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए है। मीडिया से बात करते हुए सिंह ने कहा कि अमृतसर में हुई घटना काफी दुखद है और हमारी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ है। सरकार ने मृतकों के परिवार को ५ लाख रुपये और घायलों को ५० हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई है। इसके अलावा घायलों को अस्पताल में मुफ्त इलाज देने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि हादसे में मृत लोगों की पहचान की जा रही है और अब सिर्फ ९ शवों की पहचान का काम शेष है। वहीं घटना के बाद दूसरे दिन पहुंचने पंजाब पहुंचने के सवाल पर सीएम ने कहा कि मैं एयरपोर्ट पर था जब मुझे इस मामले की जानकारी मिली और इसके बाद मैं पंजाब पहुंचा हूं। सिंह ने कहा कि सारी रात पंजाब की सरकार के तमाम लोग इस हादसे के राहत कार्यो की मॉनिटरिंग करते रहे हैं लेकिन अगर हर वीवीआईपी व्यक्ति घटनास्थल पर ही जाने लगेगा तो इससे प्रशासन को राहत कार्यो में असुविधा होगी। सिंह ने कहा कि जौड़ा फाटक के पास हुए इस हादसे के लिए जो भी जिम्मेदार है इसका फैसला जांच समिति के निर्णय पर आधारित होगा, ऐसे में किसी भी नतीजे पर पहुंचने से पहले जांच रिपोर्ट का इंतजार करना चाहिए।

पार्षद के समर्थन में बीजेपी नेता ने किया थाने पर प्रदर्शन

नेता कहना है पार्षद पर कार्रवाई विडियो के आधार की जा रही, यह नहीं देखा विडियो किन परिस्थिति में सामने आया

(एसएसएस)

मेरठ, २० अक्टूबर।

मेरठ के एक होटेल में यूपी पुलिस के दरोगा से मारपीट के बाद गिरफ्तार पार्षद मनीष पंवार को छुड़ाने के लिए स्थानीय बीजेपी कार्यकर्ताओं ने यहां जमकर हंगामा किया है। शुक्रवार देर रात कंकरखेड़ा इलाके में हुई घटना के बाद जहां पुलिस आरोपी पार्षद मनीष पंवार से पूछताछ कर रही है, वहीं बीजेपी के स्थानीय नेताओं ने यहां थाने पर पहुंचकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की है। स्थानीय नेताओं का कहना है कि पार्षद पर पूरी कार्रवाई एक विडियो के आधार पर की जा रही है, लेकिन यह नहीं देखा जा रहा है कि यह विडियो किन परिस्थितियों में सामने आया है। शनिवार को पार्षद की गिरफ्तारी का विरोध करने थाने पर पहुंचे बीजेपी नेता विवेक रस्तोगी ने कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे विडियो के बाद पुलिस ने यह जांच नहीं की कि यह विडियो किन स्थितियों में वायरल हुआ है। बीजेपी नेता ने कहा कि पहले घटना का केवल आधा विडियो सोशल मीडिया पर आया था, जिसके आधार पर कार्रवाई की गई। लेकिन बाद में एक अन्य विडियोॉ सामने आया है। बीजेपी नेता ने आरोप लगाया कि विवाद के पहले दरोगा ने महिला को अपनी सर्विस रिवॉल्वर देकर पार्षद को गोली मारने के लिए कहा था, जिसके बाद महिला ने पार्षद पर बंदूकॉ तान दी। आरोप है कि महिला के ऐसा करने के बीच ही पार्षद ने बंदूक पकड़ ली और विवाद शुरू हो गया। ऐसे में महिला को रिवॉल्वर देना पहला अपराध है, जबकि महिला द्वारा पार्षद पर बंदूक तान देना भी अपराध की श्रेणी में आता है। एकपक्षीय कार्रवाई की जा रही है।

अमृतसर हादसा : सिद्धू की पत्नी का आया जवाब

लोगों को बार-बार ग्राउंड में आने की हुई थी घोषणा

दशहरा के जिस कार्यक्रम के दौरान हादसा हुआ उसमें नवजोत सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर मुख्य अतिथि थीं

(एसएसएस)

अमृतसर, २० अक्टूबर।

रावण दहन के दौरान हुए हादसे पर राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप लगने शुरू हो गए है। दशहरा के जिस कार्यक्रम के दौरान हादसा हुआ उसमें नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर मुख्य अतिथि थीं। इसके बाद बीजेपी और अकाली दल ने उन्हें घेरते हुए आरोप लगाया था कि हादसे दौरान भी नवजोत भाषण देती रहीं। अब इस मामले में नवजोत कौर का बयान भी सामने आ गया है। उन्होंने कहा है कि लोगों से कई बार धोबी घाट ग्राउंड के भीतर आने की अपील की थी। शुक्रवार रात जब पूरा देश दशहरा के सेलिब्रेशन में मगन था तो अमृतसर में मौत का कहर टूट पड़ा। अमृतसर और मनावला के बीच फाटक नंबर २७ के पास रावण दहन देखने के लिए भीड़ रेलवे ट्रैक पर खड़ी थी। इसी दौरान ट्रेन पुरे रफ्तार में गुजरी और ५९ लोगों की जिंदगी की डोर टूट गई। इस कार्यक्रम में कांग्रेस विधायक सिद्धू की पत्नी की मौजूदगी को बीजेपी ने मुद्दा बना लिया। बीजेपी के आरोपों के बीच नवजोत कौर की सफाई सामने आ गई है। नवजोत कौर ने कहा, धोबी घाट मैदान जहां आयोजन हुआ के भीतर सीटें खाली थीं। रावण को मजबूती से बांधा गया था और उसके गिरने की वजह से भगदड़ की कोई आशंका नहीं थी। वहां भगदड़ हुई थी नहीं। ४-५ बार घोषणा कर लोगों को धोबी घाट मैदान के अंदर बुलाया भी गया था। बीजेपी ने आरोप लगाए थे कि बिना अनुमति के इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा था। हालांकि बाद में दशहरा कमिटी ने लेटर दिखा दावा किया कि आयोजन की अनुमति ली गई थी और पुलिस ने एनओसी भी दी थी।

ट्रेन रोकने की कोशिश की फिर भी नहीं टल सका हादसा

(एसएसएस)

चंडीगढ़, २० अक्टूबर।

अमृतसर में दशहरा के मौके पर रावण दहन के कार्यक्रम के दौरान हुए रेल हादसे में ६० से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। रेलवे ने विस्तार से बताया है कि ट्रेन के ड्राइवर ने हादसे को रोकने के लिए क्या कोशिश की और इसके बावजूद हादसा क्यों नहीं रोका जा सका। हालांकि हादसे के एक दिन बाद अब घटना की जिम्मेदारी भी एक दूसरे डालने का काम शुरू हो गया है। कार्यक्रम की चीफ गेस्ट नवजोत कौर का कहना है कि ट्रेनों के लिए निर्देश जारी करने चाहिए थे, जबकि रेलवे का कहना है कि कार्यक्रम की सूचना उन्हें दी ही नहीं गई थी। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन अश्वनी लोहानी ने बताया है कि आखिर क्यों पूरी कोशिश करने के बाद भी यह हादसा रोका नहीं जा सका। लोहानी ने बताया कि ट्रैक पर लोगों को देख ट्रेन के ड्राइवर ने अनहोनी टालने की कोशिश की थी। उन्होंने एक निजी चैनल को बताया है कि ड्राइवर ने ट्रेन की स्पीड ९० कि.मी-प्रतिघंटा से घटाकर ६५ किमी-प्रतिघंटा कर दी थी। हालांकि, इतनी तेज स्पीड से आ रही ट्रेन को पूरी तरह से रुकने के लिए कम से कम ६२५ मीटर की दूरी चाहिए होती है। इसलिए, ट्रेन रुक नहीं सकी और ६० से भी ज्यादा लोगों की मौत हो गई।आशंका जताई जा रही है कि ट्रेन अगर इमरजेंसी ब्रेक लगा देती तो ट्रेन पलट सकती थी और हताहतों की संख्या और भी ज्यादा हो सकती थी। लोहानी ने बताया है कि ड्राइवर ने हॉर्न भी बजाया होगा। माना जा रहा है कि पटाखों और जश्न के शोर में आवाज सुनाई नहीं दी होगी। उन्होंने यह भी बताया कि लेवल क्रॉसिंग वहां से काफी दूर थी।

ह्यू जैकमैन प्रियंका से अपनी नजरें नहीं हटा पाए

प्रियंका पर से नजर नहीं हटा पाये हॉलिवुड स्टार

प्रियंका गोल्डन हार्ट अवॉर्ड्स २०१८ में शामिल हुई थीं, जिसमें कई दिग्गज हॉलिवुड़ स्टार्स महेमान बने

(एसएसएस)

मुंबई, २० अक्टूबर । प्रियंका चोपड़ा किसी भी इवेंट का हिस्सा बनती हैं तो उनकी अट्रैक्टिव पर्सनैलिटी के कारण लोग उन पर से नजरें नहीं हटा पाते । कुछ ऐसा ही हाल में हुए एक अलॉर्ड शो के दौरान भी देखने को मिला, जहां हॉलिवुड़ स्टार ह्यू जैकमैन प्रियंका से अपनी नजरें नहीं हटा पाए और उनकी यह तस्वीर देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गई । दरअसल, प्रियंका हाल ही में गोल्डन हार्ट अवॉर्ड्स २०१८ में शामिल हुई थीं, जिसमें कई दिग्गज हॉलिवुड़ स्टार्स भी महेमान बने । इनमें से एक ह्यू जैकमैन भी थे जो अपनी पत्नी देबोर्रा-ली फर्नेस के साथ अवॉर्ड शो में शरीक हुए थे । कार्यक्रम के दौरान प्रियंका और देबोर्रा-ली फर्नेस की भी मुलाकात हुई । दोनों जब हाथ मिला रही थीं उसी दौरान उनकी तस्वीर ले ली गई । हालांकि, बाद में जब यह तस्वीर सोशल मीडिया पर डाली गई तो लोगों की नजर पास की कुर्सी पर बैठे ऐक्टर ह्यू जैकमैन

पर गई जो प्रियंका चोपड़ा को देखते हुए नजर आ रहे थे । इसके बाद लोगों ने इस तस्वीर को तेजी से शेयर कर वायरल कर दिया । वैसे इस तस्वीर के अलावा प्रियंका के अवॉर्ड शो के दौरान दिखे स्टाइल की भी काफी तारीफ हुई । इस दौरान वह हल्के ब्लू कलर की ड्रेस पहनी हुई थीं । इसे उन्होंने गोल्डन हील्स के साथ मैच किया था ।

ठाकोर सेना के अध्यक्ष अल्पेश ठाकोर का ऐलान

रात को अकेला घूमता हूं, जिसे मारना हो वह आ जाए

मर जाना पड़े तो एक ही टाइम में मरने के लिए तैयार हूं, लेकिन गरीबों और समाज के लिए लड़ता रहूंगा अल्पेश

(एसएसएस)

अहमदाबाद,२० अक्टूबर । राज्य में परप्रांतीयों को लेकर चल रही राजनीति रूकने का नाम नहीं ले रही है, तब कुछ दिन पहले उत्तरप्रदेश में अल्पेश ठाकोर पर एक करोड़ रुपये के इनाम की घोषणा की गई थी । महारानी पद्मावती यूथ ब्रिगेड ने अल्पेश ठाकोर के लिए बड़े इनाम की घोषणा की थी, इस मुद्दे पर अल्पेश ठाकोर ने पहलीबार खुलेआम में अपनी प्रतिक्रिया दी और बताया है कि, यदि कोई भी मुझे मारने का सपना देखता हो तो आ जाए, रात को १२ बजे भी अकेला घूमता हूं, जिसे मारना हो वह आ जाए, मालूम हो जाएगा । अल्पेश ठाकोर ने यह भड़काऊ भाषण का जवाब भी अपने अंदाज में ही दिया था । डीसा तहसील के माणेकपुरा गांव में दशहरा के अवसर पर ठाकोर सेना के अध्यक्ष अल्पेश ठाकोर उपस्थित हुए और विशाल जनसभा को संबोधित किया । अल्पेश ने बताया है कि, हाल जो राजनीति चल रही है इसके किसी को कुछ नहीं मिलनेवाला है । यह सभी लोग गुजरात को तोड़ने का प्रयास और साजिश कर रहे है । लोग कहते है कि अल्पेश ठाकोर को जेल में भेज

दो इसे मार डालो लेकिन उनको खबर नहीं है अल्पेश ठाकोर ने लाखों अल्पेश ठाकोर पैदा किए हैं । आप मुझे मार डालेंगे तो मेरे अन्य लोग किसी के कहने में नहीं रहेंगे । यदि कोई भी मुझे मारने का सपना देखता हो उनको अल्पेश ठाकोर ने चुनौती देते हुए कहा है कि, १२ को बजे भी अकेला घूमता हूं, जिसे मारना हो वह आ जाए यानी कि उसे मालूम हो जाएगा ।उसने आगे बताया है कि, मेरे मा-पिता को पूछकर आओ जिन्होंने जन्म दिया है इनको पूछकर आओ । इनका लडका किसी से डरे और किसी से रोका जाए ऐसा अल्पेश ठाकोर पैदा नहीं किया है । मर जाना पड़े तो एक ही टाइम में मरने के लिए तैयार हूं । जो गरीबों के लिए लड़ता हो इसे यदि मौत का खौफ हो तो उसे लड़ना भी नहीं चाहिए । जिसके पास भाथीजी महाराज जैसे वीरयोद्धा तैयार रहते हो इसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता है ।

नवरंगपुरा सरदार पटेल स्टेडियम के पास स्वीमिंगपूल के मैम्बरों द्वारा भी निजीकरण के मुद्दे पर प्रदर्शन किया गया ।

स्वीमिंगपूल के निजीकरण में वृद्धि के विरूद्ध नाराजगी

कांग्रेस ने पूरे मामले का विरोध करके शहर की जनता को विशेष राहत देने के लिए मांग की : रिपोर्ट में दावा

(एसएसएस)

अहमदाबाद,२० अक्टूबर । एएमटीएस को निजीकरण तरफ ले जाकर म्युनिसिपल शासकों ने पूरी संस्था को ज्यादा से ज्यादा कर्ज में डाल दिया गया है । एक अनुमान के अनुसार प्राइवेट ऑपरेटरों की बात में आकर पैसेन्जर को कोई लाभ नहीं हुआ है, लेकिन म्युनिसिपल तिजोरी को हररोज एक करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है, फिर भी म्युनिसिपल स्वीमिंगपूल में अब निजीकरण का रास्ता शासकों ने पसंद किया है जिसे लेकर काफी विवाद और भारी नाराजगी फैल चुकी है । अब कांग्रेस ने भी पूरे मामले का विरोध करके शहर की जनता को विशेष राहत देने के लिए मांग की है । शहर के विभिन्न स्वीमिंगपूल के संचालन में नुकसान होने की वजह से शासकों ने इसके दर में सौ गुना वृद्धि किए जाने की वजह से अब तो नुकसान का कारण नहीं रहता है । फिर भी पिछले दरवाजे से संबंधित कॉन्ट्राक्टरों को आर्थिक लाभ कराने के लिए निजीकरण हो रहे होने से लोगों में भारी नाराजगी फैल चुकी है । शनिवार सुबह से विभिन्न स्वीमिंगपूल में बड़ी संख्या में सदस्य बैनर लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए दिखाई दिए । शहर में म्युनिसिपल संचालित १४ स्वीमिंगपूल और भविष्य में बननेवाले स्वीमिंगपूल के निजीकरण की प्रशासन का प्रस्ताव भाजपा के शासकों ने मंजूरी देकर भारी विवाद खड़ा कर दिया है । स्टेन्डिंग कमिटी की बैठक पहले की एजेन्डा की बैठक में स्वीमिंगपूल की फीस में की गई वृद्धि का प्रस्ताव और निजीकरण का प्रस्ताव को खुद म्युनिसिपल भाजपा के टोप के पदाधिकारियों ने विरोध किया था ।

एक पदाधिकारी ने चालू बैठक में खड़े होकर म्युनिसिपल भाजपा के प्रभारी को साफ शब्दों में बता दिया था कि, साहब ऐसा नहीं चलेगा । दो-चार स्टेन्डिंग कमिटी के सदस्यों ने भी प्रशासन की यह दोनों प्रस्ताव को नामंजूर कर देने की पेशकश की थी । हालांकि स्टेन्डिंग कमिटी की एजेन्डा बैठक में यह पार्टी का निर्णय होने से इसमें कोई परिवर्तन नहीं हो सकता है यह निर्णय लिए जाने पर विरोधी सूर अपने आप अनुशासन के नाम पर शांत हो गया था ।

उत्तर भारतीयों पर हमले मामले में जिम्मेदार ठहराते

शक्तिसिंह ने रुपाणी को कानूनी नोटिस भेजी गई

लापरवाह, किसी भी प्रकार के आधार बिना के बयान से परा नहीं किया जा सका ऐसा नुकसान हुआ : गोहिल

(एसएसएस)

अहमदाबाद,२० अक्टूबर । कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता शक्तिसिंह गोहिल ने उत्तर भारतीयों पर हमले मामले में उनको जिम्मेदार ठहराने के लिए मुख्यमंत्री विजय रुपाणी के विवादित बयान को लेकर शनिवार को आखिर में मानहानि का दावा करने के लिए लीगल नोटिस भेजी गई है । शक्तिसिंह ने मुख्यमंत्री को उत्तर भारतीयों पर हुए हमले के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने दिए बयान मामले में पहले कानूनी कार्रवाई करने की दी गई चेतावनी के संदर्भ में यह कानूनी नोटिस भेजी गई है । इस नोटिस में रुपाणी को दो सप्ताह में खुलासा करने के लिए सूचना दी गई है । इस नोटिस में उन्होंने लिखा है कि आपके लापरवाह और किसी भी प्रकार के आधार बिना के बयान से पूरा नहीं किया जा सका ऐसा नुकसान हुआ है । मुख्यमंत्री को भेजी गई यह कानूनी नोटिस में शक्तिसिंह ने लिखा है कि, किसी भी प्रकार के सबूत नहीं होने के बावजूद भी आरोप लगाना यह मेरी प्रतिष्ठा का नुकसान है, मेरा जीवन हमेशा सिद्धांतपूर्वक और कानून से

संविधान के संपूर्ण पालन के साथ जुड़ा हुआ है । गुजरात में राज्य में लंबे समय तक एक विधायक के तौर पर तथा दो मुख्यमंत्री की अध्यक्षता के तहत एक मंत्री के तौर पर, विपक्षी पार्टी के नेता के तौर पर और विपक्षी पार्टी के मुख्य दंडक के तौर पर तथा लोक लेखा समिति के चेयरमैन के तौर पर डयुटी की है । फिलहाल मैं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता, बिहार के प्रभारी और वर्किंग कमिटी के मैम्बर के तौर पर राष्ट्रीय स्तर पर मेरी पार्टी में जिम्मेदारी को निभा रहा हूं, तब मेरी इस प्रतिष्ठा को मेरी राजनीतिक करियर को आपके लापरवाह और किसी भी प्रकार के आधार बिना बयान से पूरा नहीं किया जा सका ऐसा नुकसान हुआ है । शक्तिसिंह गोहिल द्वारा नोटिस में मुख्यमंत्री रुपाणी को दो सप्ताह में जरूरी खुलासा करने के लिए कहा गया है अन्यथा यह पूरे मामले में कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है । कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री दो दिन की उत्तरप्रदेश के दौरे पर गये थे ।

ऐश्वर्या राय बच्चन की अगली फिल्म गुलाब जामून

मी टू मूवमेंट के सवाल पर चुप रही ऐश्वर्या राय

ऐश्वर्या ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस से जुड़े एक इवेंट में पहुंची, मीटू अभियान को लेकर सवाल किया गया

(एसएसएस)

मुंबई, २० अक्टूबर । मी टू मूवमेंट की हवा पुरे देश में तेज हो रखी है । मीटू की इस आंधी में विकास बहल, सूभाष कपूर, आलोक नाथ, साजिद खान जैसे कई नाम सामने आए, जिनपर से कशुअल हैरसमेंट के आरोप लगाए गए । इस मूवमेंट को लेकर ऐश्वर्या राय बच्चन से भी सवाल पूछा गया । इनमें से कइयों को अपने ऊपर लगे इन आरोपों के कारण अपने नए प्रॉजेक्ट्स छोड़ने पड़े । बॉलिवुड़ के तमाम स्टार्स इस अभियान में महिलाओं के सपॉर्ट में एकजुट नजर आ रहे है । अपने विचारों को खुलकर रखने वालीं ऐक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन से जब एक इवेंट में मी टू मूवमेंट के बारे में पूछा गया तो उन्होंने इस बारे में कॉमेंट करने से इनकार कर दिया । बता दें कि ऐश्वर्या ब्रेस्ट कैंसर अवेयरनेस से जुड़े एक इवेंट में पहुंची थी, जहां उनसे इस मीटू अभियान को लेकर सवाल किया गया । ऐश्वर्या इस मौके पर बिना कोई जवाब दिए वहां से चुपके से निकल गईं । हालांकि इससे पहले ऐश्वर्या कह चुकी है कि उन्हें इस बात की खुशी है कि देश में इस मूवमेंट में तेजी आई है । उन्होंने यह भी कहा था कि वह पहले भी इन मुद्दों पर बोलती आई हैं और आगे भी बोलेंगी । वर्कफ्रंट की बात करें तो ऐश्वर्या की अगली फिल्म गुलाब जामून है और इस फिल्म में वह अपने हज्बंड अभिषेक बच्चन के साथ नजर आएंगी ।

पालीताना से प्रकाशित दैनिक चेलेन्जर

टेलीवुड हंगामा

२१-१०-२०१८
रविवार

समय	जी टीवी	स्टार प्लस	सोनी टीवी	जी सिनेमा	कलर्स	सेट मैक्स	स्टार गोल्ड	स्टार मूवी
०६.००	जीवन की बाते	कुल्कीकुमार बाजेवाला	क्राइम पेट्रोल	॥	टेलिस्लोट	॥	तेरे नाम	॥
०६.३०	टेलिशोपिंग	इश्कबाज	॥	टेलिशोपिंग	॥	॥	॥	रियल स्टील
०७.००	पवित्र रिश्ता	मरियम खान रिपोर्टिंग	द कपिल शर्मा शो	॥	॥	डेन्जरस खेलाडी-५	॥	॥
०७.३०	॥	ये हे मोहब्बते	॥	चेम्पियन ओफ विनर	॥	॥	॥	॥
०८.००	जोधा अकबर	कुल्फीकुमार बाजेवाला	॥	॥	इन्टरनेटवाला लव	॥	॥	॥
०८.३०	॥	ये रिश्ता क्या कहेलाता है	मैं मायके चली जाउंगी	नायकी	सिलसिला बदले रिश्तो का	॥	॥	॥
०९.००	इश्क सुभान अल्लाह	क्रिष्ना चली लंडन	कौन बनेगा करोडपति	॥	नागिन-३	॥	तीसमारखां	आइस एज
०९.३०	आपके आ जाने से	ये है महोब्बते	॥	॥	॥	॥	॥	॥
१०.००	कुमकुमभाग्य	कुल्फीकुमार बाजेवाला	॥	॥	बेपनाह	हिचकी	॥	॥
१०.३०	तुजसे है राब्ता	ये रिश्ता क्यां	॥	॥	इन्टरनेटवाला लव	॥	॥	॥
११.००	कुंडली भाग्य	कसोटी जिंदगी की	॥	स्टुअर्ट लिटल	रुप	॥	॥	कोन्टीनेन्टल ड्रीफ्ट
११.३०	इश्क सुभान अल्लाह	नजर	॥	॥	तु आशिकी	॥	सिंघम रिटर्न	॥
१२.००	ये तेरी गलीया	ये है मोहब्बते	क्राइम पेट्रोल	॥	सीलसीला बदलते रिश्तो का	॥	॥	॥
१२.३०	कुम कुम भाग्य	ये रिश्ता क्या कहेलाता है	॥	॥	बेपनाह	कंचना-३	॥	॥
०१.००	कुंडली भाग्य	कुल्फीकुमार बाजेवाला	॥	हम आपके है कौन	रुप	॥	॥	फेन्टास्टीक फोर
०१.३०	तुजसे है राब्ता	कसोटी जिंदगी की	॥	॥	दास्ताने मोहब्बत	॥	॥	॥
०२.००	इश्क सुभान अल्लाह	क्रिष्ना चली लंडन	॥	॥	सिल सिला बदलते रिश्तो का	॥	॥	॥
०२.३०	कुमकुम भाग्य	नजर	॥	॥	उडान	॥	॥	॥
०३.००	गुड्डन तुमसे न हो पाएगा	मरियमखान रिपोटिंग	॥	॥	नागीन-३	थेरी	जीने नहीं दुगा	फाइन्डींग नेमो
०३.३०	कुंडली भाग्य	कसोटी जिंदगी की	॥	॥	॥	॥	॥	॥
०४.००	पवित्र रीस्ता	ये रिश्ता	॥	॥	बीग बोस	॥	॥	॥
०४.३०	॥	ये मोहब्बत	॥	॥	॥	॥	॥	॥
०५.००	जोधा अकबर	नजर	॥	॥	शक्ति	॥	॥	॥
०५.३०	॥	कुल्फीकुमार बाजेवाला	॥	खिलाडी खेल का	दास्ताने मोहब्बत	॥	॥	फ्रोझन
०६.००	गुड्डन तुमसे न हो पाएगा	कसोटी जिंदगी की	॥	॥	तु आशिकी	सन्डे घमाल	धामु	॥
०६.३०	कुंडली भाग्य	ये रिश्ता क्या कहेलाता है	॥	॥	इन्टरनेटवाला लव	॥	॥	॥
०७.००	ये तेरी गलिया	डांडिया नाइट्स	मेरे साई	॥	उडान	॥	॥	॥
०७.३०	कालिरेईन	मरियम खान रिपोर्टींग	विघ्नहर्ता गणेश	॥	इश्क में मरजावा	॥	तकदीर	॥
०८.००	गुड्डन तुमसे न हो पाएगा	कसोटी जिंदगी की	पोरस	हा मेने भी प्यार किया	शक्ति	॥	॥	॥
०८.३०	तुजसे है राब्ता	कुल्फीकुमार बाजेवाला	मैं मायके चली जाउंगी	॥	दास्ताने मोहब्बत	सरईनोडु	॥	॥
०९.००	कुम कुम भाग्य	क्रिष्ना चली लंडन	कौन बनेगा करोडपति	॥	बिग बोस	॥	मर मिटेंगे	कोफी विथ करन
०९.३०	कुंडली भाग्य	ये रिश्ता क्या	॥	॥	॥	॥	॥	॥
१०.००	इश्क सुभान अल्लाह	इश्कबाज	॥	॥	रुप	॥	॥	॥
१०.३०	आप के आ जाने से	ये हैं मोहब्बते	दिल ही तो है	॥	बेपनाह	॥	॥	॥
११.००	फीयर फाइल्स	नजर	ये उन दिनो की बात है	सरदार गब्बरसिंघ	सिलसिला बदलते रिश्तो का	हिरो नं.जीरो	॥	॥
११.३०	आपके आ जाने से	कुल्फीकुमार बाजेवाला	क्राइम पेट्रोल	॥	बिग बोस	॥	॥	॥
१२.००	॥	॥	॥	॥	॥	॥	॥	॥

पालीताना से प्रकाशित दैनिक
चेलेन्जर

DATE : 21-10-2017, SUNDAY, PAGE - 4

नागरिकों को न्याय देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

बोटाद जिले में नई जिला अदालत कार्यरत : जाडेजा

बोटाद, २० अक्टूबर।

कानून राज्यमंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा ने बताया है कि, सभी का साथ, सभी का विकास और सभी को समान न्याय के सूत्र को चरितार्थ करने के लिए मुख्यमंत्री विजय रुपाणी के नेतृत्ववाली राज्य सरकार ने वर्ष २०१६ में गीरसोमनाथ, अरवल्ली, मोरबी, देवभूमि द्वारका और छोटाउदेपुर और वर्ष २०१७ में महिसागर जिलों को न्यायिक जिला घोषित करने के बाद यह जिलों में नई कोर्ट कार्यरत की है। इसी तरीके से अब भावनगर जिला के क्षेत्रों से नया राजस्व बोटाद को न्यायिक जिला घोषित करके यह जिला में आचार्य सीनियर सिविल जज और चीफ ज्युडीशियल मेजिस्ट्रेट की कोर्ट तथा मुख्य जिला न्यायाधीश की कोर्ट सहित की कोर्ट २१.१०.२०१८ से कार्यरत होगी। शनिवार को राज्य के न्यायतंत्र के लिए एक गौरव का दिन है राज्य का एक भी जिला जिला स्तर की कोर्ट की सुविधा से वंचित नहीं है।

कानून राज्य मंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा है कि, करीब ३२ करोड़ की कीमत से बनाई गई नई जिला अदालत सहित की अन्य कोर्ट प्राप्त होने पर जिला के लीटीगन्ट्स को पहले भावनगर जिला के दूरदराज क्षेत्रों से न्याय लेने के लिए भावनगर तक १०० से १२५ किमी की दूरी पार करके जाना पड़ता था इसके स्थान पर अब यह लीटीग्रन्ट्स को अपने ही क्षेत्र में न्याय मिलने पर उनकी यात्रा के समय में और वित्तीय खर्च में बचत होगी और उनकी परेशानी में कमी होगी। अब बोटाद में जिला और तहसील अदालतों, विशेष करके गढडा, बरवाला, राणपुर में अलग-अलग कई अदालत कार्यरत होने पर कोर्ट केस लंबित है यह केस का समाधान लाने में तेजी आयेगी। मंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा ने आगे बताया है कि, न्यायतंत्र के लिए जिस गति से जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर और वित्तीय सहायता राज्य सरकार देती है यह देखते हुए, आगामी कुछ ही दिनों में राज्य का एक भी तहसील कोर्ट की सुविधा से वंचित नहीं होगी।

जल्दी से न्याय दिलाने के लिए सरकार का निश्चय

तापी और राजकोट में सीविल न्यायाधीश नई कोर्ट कार्यरत

आगामी समय में राज्य का एक भी तहसील कोर्ट की सुविधा से वंचित नहीं रहेगी :कानून राज्य मंत्री प्रदीपसिंह

तापी,२० अक्टूबर।

कानून राज्य मंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा ने बताया है कि, सभी का साथ, सभी का विकास और सभी को समान न्याय के सूत्र से ओतप्रोत रही मुख्यमंत्री विजय रुपाणी के नेतृत्ववाली राज्य सरकार ने इस वर्ष में नये सात जिलों में से गीरसोमनाथ, अरवल्ली, मोरबी और देवभूमि द्वारका को न्यायिक जिला घोषित करने के बाद यह जिलों में नई कोर्ट कार्यरत की है। पारदर्शिकता, संवेदनशीलता, निर्णायकता और प्रगतिशीलता के आधारस्तंभ पर कार्य करती राज्य सरकार ने सभी को सस्ता और जल्दी से न्याय दिलाने के लिए तापी जिला के डोलवण तहसील में तथा राजकोट जिला के वीछिया तहसील में सीविल न्यायाधीश और ज्युडीशियल मेजिस्ट्रेट कोर्ट २१.१०.२०१८ से कार्यरत करने की घोषणा की है। कानून राज्य मंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा है कि, तापी जिला के डोलवण तहसील में तथा राजकोट जिला के वीछिया तहसील में सीविल न्यायाधीश और ज्युडीशियल मेजिस्ट्रेट कोर्ट प्राप्त होने पर लीटीगन्ट्स को पहले जिला के दूरदराज क्षेत्रों से न्याय लेने के लिए अन्य तहसील तथा मुख्य केन्द्र तक की दूरी पार करके जाना पड़ता था इसके स्थान पर अब यह लीटीग्रन्ट्स को अपने ही क्षेत्र में न्याय मिलने पर उनकी यात्रा के समय में और वित्तीय खर्च में बचत होगी और उनकी परेशानी में कमी होगी। अब तापी जिला के डोलवण तहसील में तथा राजकोट जिला के वीछिया तहसील में सीविल न्यायाधीश -और ज्युडीशियल मेजिस्ट्रेट कोर्ट कार्यरत होने पर कोर्ट केस लंबित है यह केस के समाधान लाने के लिए तेजी आयेगी। मंत्री प्रदीपसिंह जाडेजा ने इस बारे में आगे की जानकारी देते हुए कहा है कि, न्यायतंत्र के लिए जिस गति से जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर और वित्तीय सहायता राज्य सरकार देती है यह देखते हुए, आगामी कुछ ही दिनों में राज्य का एक भी तहसील कोर्ट की सुविधा से वंचित नहीं रहेगी।

जुहापुरा चार रास्ते के पास मुस्लिम महिला द्वारा भारत में हो रही महिला पर अत्याचार की घटना को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया।

राजकोट-सूरत को रेरा की जोनल ऑफिस की संभावना

बिल्डरों ने वहीवटी प्रक्रिया लिए रेरा ऑफिस में चक्कर लगाने की वजह से बिल्डर एसोसिएशन द्वारा पेशकश

(एसएसएस)

अहमदाबाद,२० अक्टूबर।

ग्राहकों को सभी प्रकार की सुविधा के साथ मजबूत निर्माणकाम मिले इसके लिए सरकार ने राज्य में रेरा का कानून लागू किया है जिसकी मुख्य ऑफिस गांधीनगर में कार्यरत है। कई वहीवटी प्रक्रिया के कारण पैदा होती समस्या के कारण सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात के बिल्डरों ने रेरा की ऑफिस गांधीनगर में चक्कर लगाने की वजह से बिल्डर एसोसिएशन द्वारा सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात को जोनल ऑफिस देने की मांग की गई थी। जिसकी वजह से अब निकट के भविष्य में ही राजकोट और सूरत को रेरा की जोनल ऑफिस मिलने की संभावना बढ़ गई है। बिल्डर एसोसिएशन द्वारा की गई पेशकश और मांग के प्रति राज्य सरकार के शहरी विकास विभाग ने सकारात्मक तरीके से विचार करने का कहने पर कुछ ही दिनों में रेरा के वहीवटी काम के बारे में गांधीनगर जाते बिल्डरों को अपने जोन तक ही पेशकश करना आसान हो जाएगा। हाल में अहमदाबाद सहित राज्यभर में निर्माणकाम के ऑनलाइन प्लान पास कराने की जटिल प्रक्रिया के कारण पैदा हुई समस्या के समाधान के तहत आगामी तीन महीने तक ऑफलाइन प्लान मंजूर करने की मंजूरी दी है इस बारे में राज्यभर के बिल्डर एसोसिशन के अग्रणी रेरा कमिटी के चेयरमैन से खुद मिले और उनको आ रही समस्या की पेशकश की थी। रेरा के कानून में रही कई समस्या मामले में भी इसका समाधान लाने के लिए पेशकश की थी। उनके मुख्य प्रश्न रेरा रजिस्ट्रेशन से लेकर लागू के नियम में कोई परेशानी हो तो गांधीनगर तक आना पड़ता है, यह मामले में भी कहा गया। इसी वजह से रेरा द्वारा जोनल ऑफिस आवंटन कराने के मामले में वह पोजीटिव होने का बताया था। इस मामले में बिल्डर एसोसिएशन के प्रमुख परेश गजेरा ने बताया है कि, रेरा की जोनल ऑफिस शुरू करने के अलावा हमने रेरा चेयरमैन को जुर्माने की रकम घटाने के लिए भी पेशकश की है।

बारबार पेशकश बावजूद प्रशासन द्वारा कार्रवाई नहीं

बहेरामपुरा में केमिकलयुक्त पानी से स्थानीय निवासी परेशान है

केमिकल कारखाने, फैलते गंभीर और खतरनाक प्रदूषण तथा केमिकलयुक्त पानी से स्वास्थ्य के विरूद्ध खतरा

(एसएसएस)

अहमदाबाद,२० अक्टूबर।

शहर के बहेरामपुरा वोर्ड में अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और गुजरात पोल्युशन कंट्रोल बोर्ड शासकों की दया से केमिकल की ६०० से ७०० कारखाने चलते हैं। यह कारखाने केमिकलयुक्त पानी लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक होने के बावजूद भी नसीब से ही किसी कारखाने के विरूद्ध कार्रवाई की जाती है। इसी वजह से बहेरामपुरा के पीडबल्युडी रोड जैसे क्षेत्र में पिछले दो महीनों से केमिकल का पानी बह रहा होने के बावजूद भी प्रशासन विफल है। बहेरामपुरा वोर्ड में केमिकल कारखाने और इसके द्वारा फैलते गंभीर और खतरनाक प्रदूषण तथा केमिकलयुक्त पानी से सामान्य नागरिक परेशान हो चुके है। बहेरामपुरा वोर्ड की यह कारखाने में से कई कारखाने कर्ताहर्ता अपना प्रोसेसिंग बाद का केमिकलवाला पानी को प्रशासन की ड्रेनेज लाइन में डाला जाता है। इस प्रकार के अवैध कनेक्शन के कारण ड्रेनेज लाइन कट जाने के भर जाने की घटना बारबार सामने आती है। चंडोला तालाब से नबीनगर तक के पीडबल्युडी रोड पर स्थित स्कूल के विद्यार्थियों तथा आवास क्षेत्र के लोग पूरे रोड पर बहते केमिकल युक्त पानी से खराब हालत में लोग आ चुके है। पिछले दो-दो महीनों से सैकड़ों बच्चे सहित के लोगों को सामान्य आने-जाने के लिए भी केमिकल युक्त पानी से होकर जाना पड़ता है जिसकी वजह से उनके पैर में छाले पड़ जाते है। प्रशासन की लापरवाही से पीडबल्युडी रोड पर स्थित नवरंग स्कूल, अमन स्कूल, चंडोला तालाब म्युनिसिपल स्कूल के विद्यार्थियों तथा शाहआलमनगर, नबीनगर, अलहबीबनगर और अल-मोहंमदी सोसाइटी के लोग परेशान हो चुके है। दक्षिण जोन के इंचार्ज डेप्युटी कमिशनर पराग शाह के समक्ष लोगों ने लिखित पेशकश की है। कमिशनर विजय नेहरा को केमिकल की पानी से भरे पीडब्ल्युडी के रोड की तस्वीर भेजी गई है। फिर भी अभी स्थिति नहीं बदली है यह बहेरामपुरा के स्थानीय कॉर्पोरेटर और म्युनिसिपल विपक्ष कांग्रेस के पूर्व नेता बदरूद्दीन शेख का आरोप है।

दानापीठ एएमसी हेड ऑफिस पर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने स्वीमिंगपूल के निजीकरण के विरोध में प्रदर्शन किया गया।

एएपी के लीडर संजयसिंह रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा किए गए केस में सुनवाई होने से पुरानी हाईकोर्ट में उपस्थित हुए।

सरदार साहब की प्रतिमा का अनावरण शो चुनौती

सरकार-संगठन बीच संकलन के अभाव को लेकर एकतायात्रा फ्लोप

प्रधानमंत्री मोदी की नाराजगी से बचने और यह कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संगठन और सरकार सक्रिय

(एसएसएस)

अहमदाबाद,२० अक्टूबर।

गुजरात में रुपाणी सरकार के आने के बाद सरकार और संगठन के बीच संकलन का अभाव होने का लगातार मालूम हो रहा है। गुजरात सरकार के कार्यक्रमों में संगठन के अग्रणी की अनुपस्थिति अक्सर सामने आती है तब सरकार और संगठन के बीच संकलन का अभाव होने के कारण स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के लिए एकतायात्रा फ्लोप साबित हो रही है। जिसकी वजह से अब आगामी ३१ अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के होने जा रहे अनावरण कार्यक्रम रुपाणी सरकार के लिए चुनौती बन गया हो ऐसा है। रुपाणी सरकार के कामकाज से नाराज पीएम मोदी ने सरदार पटेल की प्रतिमा के अनावरण का मेगा शो रद्द करके मीनि शो का आयोजन करना पड़ा है। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नाराजगी से बचने के लिए और यह कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संगठन और सरकार लगातार सक्रिय रही है। पिछले कई समय से गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी के कामकाज के विरूद्ध कार्यकर्ताओं में नाराजगी फैली हुई है। विशेष करके रुपाणी सरकार में सिर्फ सौराष्ट्र के प्रतिनिधियों और सौराष्ट्र की जनता के लिए ही मुख्यमंत्री कार्यालय खुले होने का आरोप कार्यकर्ताओं द्वारा लगाया जा रहा है। इसी वजह से सौराष्ट्र के अलावा पिछले कई समय से मुख्यमंत्री के आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाजपा के चुने गये प्रतिनिधि भी उपस्थित नहीं होते हैं। फिलहाल में अहमदाबाद में आयोजित हुए मुख्यमंत्री के दो कार्यक्रमों में कॉर्पोरेटरों की अनुपस्थिति के बारे में शहर भाजपा प्रमुख को मुख्यमंत्री ने फटकार लगाई थी सामान्य रूप से मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में संबंधित शहर के सभी कॉर्पोरेटरों को अनिवार्य रूप से उपस्थित होना पड़ता है। लेकिन रुपाणी के कार्यक्रम में कॉर्पोरेटरों और शहर संगठन के कई अग्रणी अनुपस्थित रहने से यह कार्यक्रम फ्लोप हो रहे हैं। ३१ अक्टूबर को केवडिया कोलोनी में पीएम मोदी की स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के अनावरण कार्यक्रम संदर्भ में गुजरात सरकार द्वारा ८ जगहों से एकता यात्रा शुरू की गई है।

चेलेन्जर
भावनगर शहर में चेलेन्जर दैनिक हिन्दी का सोल एजन्सी देने का है।
जिसको रुचि रखते है वो हमारा संपर्क करे
Mo. 9428121933

पालीताना से प्रकाशित दैनिक
चेलेन्जर
आप की धार्मिक प्रसंग, महोत्सव, सालगीरी, विहार कार्यक्रम, नगर नोंध, प्रेसनोट, विज्ञापन, श्रद्धांजली, अवसान नोंध देने के लिए संपर्क करे।
कार्यालय : 59, सुविधा शोपींग सेन्टर, पेलेस रोड, भैरवपरा, पालीताणा-364270
ओफिस नं.02848-251933,
Mo. 9428121933

Printer, Publisher & Owner by GOHIL PRATAPBHAI KESHUBHAI Printed at PATEL OFFSET, 115, ROYAL COMPLEX, HAZUR PAYGA ROAD, NR. HIGH COURT ROAD, BHAVNAGAR. Published at 58, SUVIDHA SHOPPING CENTER, PALACE ROAD, BHAIRAVPARA, PALITANA-364270, DIST. BHAVNAGAR , **RNI NO. GUJHIN/2017/71559,** Editor - GOHIL PRATAPBHAI KESHUBHAI